

15. दाज्यू

स्वाध्याय

मदन का गाव किस पहाड़ी क्षेत्र में था ?

- A. मसूरी
- B. शिमला
- C. दार्जिलिंग
- D. अल्मोड़ा

🚩 D.अल्मोड़ा

कहानी के अंत में नए ग्राहक हैंमत को मदन ने अपना नाम क्या बताया ?

- A. मदन
- B. पहाड़ी
- C. बाय
- D. बेयश

🚩 C.बाय

मदन का गाव किस पहाड़ी क्षेत्र में था ?

🚩 मदन का गाव अल्मोड़ा पहाड़ी क्षेत्र में था ।



नए ग्राहक हेमंत को मदन ने अपना नाम क्या बताया ?

✚ नए ग्राहक हेमंत को मदन ने अपना नाम 'बॉय' बताया ।

जगदीशबाबू के व्यवहार से मदन को चोट क्यों पहुंची ?

✚ जगदीशबाबू के व्यवहार से मदन को चोट पहुंची, क्योंकि अपने प्रति उसके अपनत्व पर प्रहार किया था ।

जगदीशबाबू ने अपनी शंका का समाधान कैसे कर लिया ?

✚ कैफे में बॉय मदन को देखकर उन्हें लगा था की शायद यह उनही के यहा का लड़का है । बाद में मदन से वार्तालाप करके उन्होंने जान लिया की उनकी शंका सच थी । इस तरह उन्होंने अपनी शंका का समाधान कर लिया ।

मदन अपने गाव का नाम बताने में संकोच क्यों अनुभव कर रहा था ?

✚ मदन के गाव का नाम 'डोट्यालगो' था । अपने गाव की निराली संज्ञा के कारण उसे उसका नाम बताने में संकोच हो रहा था ।

जगदीशबाबू के चेहरे पर पुटी एकाकीपन की स्याही कैसे दुर हो गई ?

✚ जगदीशबाबू कैफे में आने से पहले बहुत एकाकीपन महसूस कर रहे थे । परंतु मदन से बातचीत होने पर उन्हें मालूम हुआ की वह उनके गाव के पड़ोसी गाव का लड़का है । इस प्रकार मदन के प्रति अपनेपन का भाव आने पर जगदीशबाबू के चेहरे पर पुटी एकाकीपन की स्याही दुर हो गई ।

मदन जगदीशबाबू को 'दाज्यु' कहकर क्यों संबोधित करने लगा ?

- ✚ जगदीशबाबू और मदन एक ही क्षेत्र के रहनेवाले थे | उस क्षेत्र में बड़े भाई को 'दाज्यु' कहते हैं | जगदीशबाबू को अपने बड़े भाई के रूप में देखने के कारण मदन उन्हें 'दाज्यु' कहकर संबोधित करने लगा |

मदन के 'दाज्यु' शब्द की आवृत्ति पर जगदीशबाबू को क्रोध क्यों आया ?

- ✚ मदन कैफे का बॉय था जबकी जगदीशबाबू मध्यमवर्ग के व्यक्ति थे | सबके सामने मदन का बार-बार 'दाज्यु' कहना उन्हें अपनी प्रतिष्ठा के अनुकूल नहीं लगा | इसलिए मदन के 'दाज्यु' शब्द की आवृत्ति पर जगदीशबाबू को क्रोध आया |

मदन को जगदीशबाबू के रूप में कीसकी छाया निकट जान पड़ी ?

- ✚ मदन को जगदीशबाबू के रूप में दाज्यु की छाया निकट जान पड़ी |

जगदीशबाबू को क्या अच्छा नहीं लगता था ?

- ✚ मदन का बार-बार 'दाज्यु' कहना जगदीशबाबू को अच्छा नहीं लगता था |

